

## प्रादेशिक

जयगुर, बुधवार 25 अगस्त, 2021

### प्रोफेसर के एस राणा मेवाड़ विवि के कुलपति

# प्रो.राणा ने मेवाड़ विश्विद्यालय के कुलपति के रूप में संभाला पदभार

राजस्थान दर्शन

चित्तीदगड़(अमित कुमार चेचानी/छोटू)। प्रोफेसर के एस. राणा जो मुख्य रूप से कूलपति, जयगुर के निवासी है तथा चार लासकोप विश्विद्यालयों में कुलपति रु कुर्के हैं। प्रो. राणा ने नलन्दा विश्विद्यालय, फटा, आण सेंट विश्विद्यालय, यूनिवर्सिटी, बिहार, कुमार्यु विश्विद्यालय, नैनिकल एवं अल्मोड़ा विश्विद्यालय, उत्तराखण्ड तथा पश्चिम राजस्थान विश्विद्यालय, भारत सरकार के अधीनस्त अविद्यालयों के छाइस चेयरमैन रहे हैं। प्रो. राणा भी एकसर्वोष्ठ एडवॉइजर के रूप में पश्चिम राजस्थान में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. राणा ने दिनांक 23 अगस्त 2021 को मेवाड़ विश्विद्यालय में कुलपति का पदभार गृहण कर लिया।



प्रोफेसर राणा अन्नाराधोप लघाति के बै.एससी, जर्मनी में प्रकाशित हो चुकी है। शिखाविद् हैं। उन्होंने पश्चिम राजस्थान में 45 पी.एच.डी. ऊके निदेशन में अवार्ड पी.एच.डी. एवं डी.एससी, किया है यह की गई है। 322 शोध पत्र विभिन्न प्र

प्रिकाओं में तथा 20 पुस्तकें देश एवं विदेश में प्रकाशित हो चुकी हैं। गत वर्ष मुम्ही में उन्हें मोस्ट हॉलेन्टेड वार्डम चांसलर अवार्ड तथा इसी वर्ष मोस्ट इन्स्टीट्यूशन वाईस चांसलर के अवार्ड से नवाजा गया। विश्व मानवाधिकार आयोग, ज्यूसार्क में वित्त मर्ड वाह में उन्हें डी.सिट की मानद उत्तमि पश्चिम राजस्थान संश्करण पर दी तथा इस वर्ष एन.एन.डी. की मानद उत्तमि विदेश नवनिर्देश की ट्रोन स्टेट द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त एक दर्जन विदेशी संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया तथा दो दर्जन गढ़वाली संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।

**प्रोफेसर के एस. राणा की ओर से संदेश**

प्रोफेसर राणा ने कहा है कि विश्विद्यालय को यू.जी.सी. तथा केन्द्रीय लिंगा भंजालय के मानकों के अनुकूल चलाया जायेगा। सभी विभागों में विकास भरी जायेगा। वयोरिक फेकलटी के अधार में कोई भी संस्का अने नहीं बढ़ सकती है इसीलिये उच्च स्तरीय फेकलटी का होना आवश्यक है गरीब एवं मेधावी छात्रों को विश्विद्यालय द्वारा हर संभव सहाय्य किया जायेगा। शोध परियोजनाओं की मानिटरिंग की जायेगी और केन्द्र सरकार के सहयोग से चलाई जायेगी। राजस्थान के गरीब बच्चों की लेल अभिकल्पी को बहुआ देने के प्राप्ति किये जायेंगे। ताकि महाराजा प्रताप की धरती से देश दीनिया में ये सरित जा सके कि यहाँ के लिंगाधी नम व गोलगार देने का मा सकते हैं।

# प्रोफेसर के एस राणा मेवाड़ विवि के कुलपति प्रो. राणा ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में संभाला पदभार



चमकता राजस्थान, चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी/छोटू)। प्रोफेसर के.एस. राणा जो मुख्य रूप से कूकस, जयपुर के निवासी हैं तथा चार शासकीय विश्वविद्यालयों में कुलपति रह चुके हैं। प्रो. राणा ने नालन्दा विश्वविद्यालय, पटना, आरा स्टेट विश्वविद्यालय/यूनिवर्सिटी, बिहार, कुमार्युं विश्वविद्यालय, नैनिताल एवं अल्मोड़ा विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड तथा पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के अप्रेजल ऑथोरिटी के वाईस चेयरमेन एवं चेयरमैन रहे हैं एवं आज भी एक्सपर्ट एडवाईजर के रूप में पर्यावरण मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. राणा ने दिनांक 23 अगस्त 2021 को मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार गृहण कर लिया। प्रोफेसर राणा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविद् हैं। उन्होंने पर्यावरण में पी.एच.डी. एवं डी.एससी. किया है यह डी.एससी. जर्मनी में प्रकाशित हो चूकी है। 45 पी.एच.डी. उनके निर्देशन में अवार्ड की गई है। 322 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में तथा 20 पुस्तकें देश एवं विदेश में प्रकाशित हो चूकी हैं। गत वर्ष मुम्बई में उन्हें मोस्ट डेडिकेटेड वाईस चांसलर अवार्ड तथा इसी वर्ष मोस्ट इन्फ्लेशल वाईस चांसलर के अवार्ड से नवाजा गया। विश्व मानवाधिकार आयोग, न्यूयार्क में विगत मई माह में उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि पर्यावरण संरक्षण पर दी तथा इस वर्ष एल.एल.डी. की मानद उपाधि ब्रिटीश गवर्नर्मेंट की टोंगा स्टेट द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त एक दर्जन विदेशी संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया तथा दो दर्जन राष्ट्रीय संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।

## प्रोफेसर के. एस. राणा की ओर से संदेश

प्रोफेसर राणा ने कहा है कि विश्वविद्यालय को यू.जी.सी. तथा केंद्रिय शिक्षा मंत्रालय के मानकों के अनुरूप चलाया जायेगा सभी विभागों में रिक्तिया भरी जायेगी। क्योंकि फेकल्टी के अभाव में कोई भी संस्था आगे नहीं बढ़ सकती है इसलिये उच्च स्तरीय फेकल्टी का होना आवश्यक है गरीब एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। शोध परियोजनाओं की मॉनिटरिंग की जायेगी और केन्द्र सरकार के सहयोग से चलाई जायेगी। राजस्थान के गरीब बच्चों की खेल अभिरूची को बढ़ावा देने के प्रयास किये जायेंगे। ताकि महाराणा प्रताप की धरती से देश दुनिया में ये संदेश जा सके कि यहां के खिलाड़ी नाम व रोजगार दोनों कमा सकते हैं।



## प्रोफेसर के एस राणा मेवाड़ विवि के कुलपति प्रो. राणा ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में संभाला पदभार

जयपुर मिड-डे टाइम्स

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी/छोटू)। प्रोफेसर के.एस. राणा जो मुख्य रूप से कूकस, जयपुर के निवासी है तथा चार शासकीय विश्वविद्यालयों में कुलपति रह चुके हैं। प्रो. राणा ने नालन्दा विश्वविद्यालय, पटना, आरा स्टेट विश्वविद्यालय/यूनिवर्सिटी, बिहार, कुमार्युं विश्वविद्यालय, नैनिताल एवं अल्मोड़ा विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड तथा पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के अप्रेजल ऑथोरिटी के वाईस चेयरमेन एवं चेयरमैन रहे हैं एवं आज भी एक्सपर्ट एडवाईजर के रूप में पर्यावरण मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. राणा ने दिनांक 23 अगस्त 2021 को मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार गृहण कर लिया। प्रोफेसर राणा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविद् हैं। उन्होंने पर्यावरण में पी.एच.डी. एवं डी.एससी. किया है यह डी.एससी. जर्मनी में प्रकाशित हो चूकी है। 45 पी.एच.डी. उनके निर्देशन में अवार्ड की गई है। 322 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में तथा 20 पुस्तकें देश एवं विदेश में प्रकाशित हो चूकी है। गत वर्ष मुम्बई में उन्हें मोस्ट डेंडिकेटेड वाईस चांसलर अवार्ड तथा इसी वर्ष मोस्ट ईम्प्लेशल वाईस चांसलर के अवार्ड से नवाजा गया। विश्व मानवाधिकार आयोग, न्यूयार्क में विगत मई माह में उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि पर्यावरण संरक्षण पर दी तथा इस वर्ष एल.एल.डी. की मानद उपाधि ब्रिटीश गवर्नरमेंट की टोंगा स्टेट द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त एक दर्जन विदेशी संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया तथा दो दर्जन राष्ट्रीय संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।

प्रोफेसर के.एस. राणा की ओर से संदेशः प्रोफेसर राणा ने कहा है कि विश्वविद्यालय को यू.जी.सी. तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के मानकों के अनुरूप चलाया जायेगा सभी विभागों में गिरिया भरी जायेगी। क्योंकि फेकलटी के अभाव में कोई भी संस्था आगे नहीं बढ़ सकती है इसलिये उच्च स्तरीय फेकलटी का होना आवश्यक है गरीब एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। शोध परियोजनाओं की मॉनिटरिंग की जायेगी और केन्द्र सरकार के सहयोग से चलाई जायेगी। राजस्थान के गरीब बच्चों की खेल अभियुक्ती को बढ़ावा देने के प्रयास किये जायेंगे। ताकि महाराणा प्रताप की धरती से देश दुनिया में ये सदेश जा सके कि यहाँ के खिलाड़ी नाम व रोजगार दोनों कमा सकते हैं।